पानी

रहीम

चित्रः तसनीम अमिरुद्दीन

कथा की ३००एम थिंकबुक

हे पानी!
तुम ही जीवन हो!

धरती पर ना धन होगा,
ना खुशिओं भरा मन होगा
पानी बिना जीवन नहीं होगा!

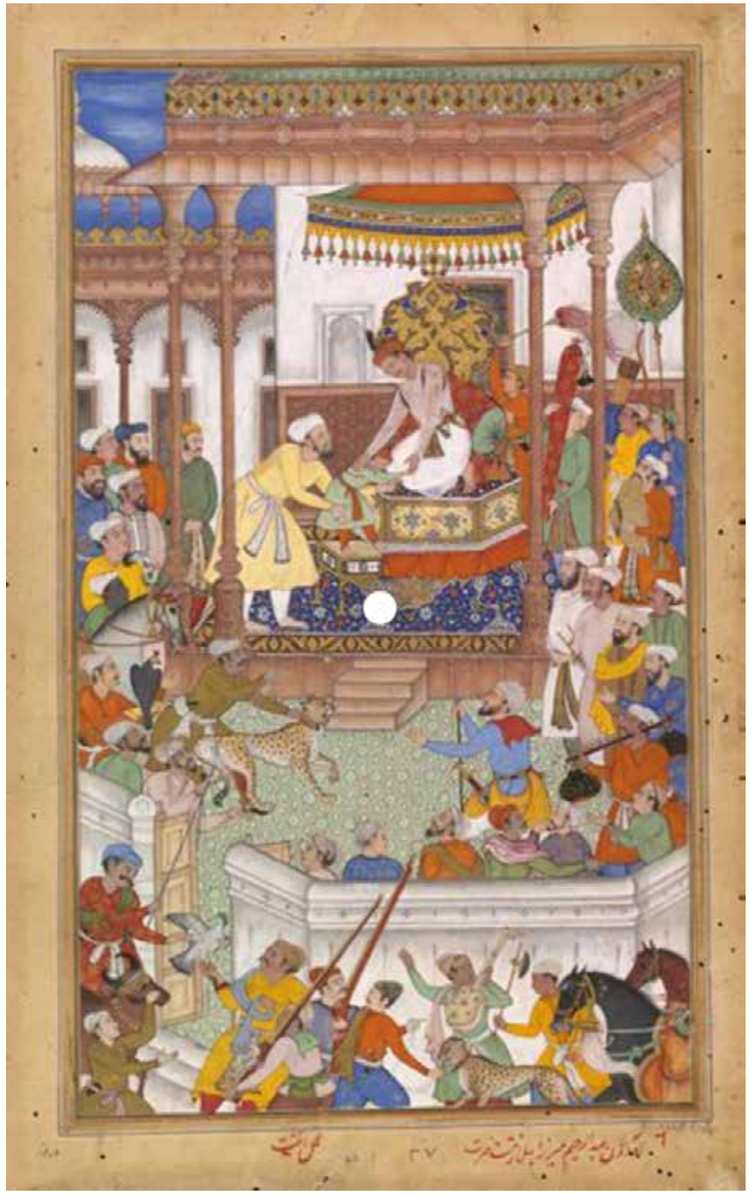

इतिहास की किताबों से पता चलता है कि तीसरे मुगल बादशाह, अकबर महान हमेशा नए विचारों और आविष्कारों की खोज में रहते थे।

अकबर का पुस्तकालय बहुत बड़ा था। उसमें बहुत से संस्कृत, फारसी, और यूनानी के अनुवादक थे। विश्व का पहला फारसी – संस्कृत शब्दकोष यहीं तैयार हुआ था।

हमारे कई ग्रंथ, जैसे महाभारत, हरिवंशपुराण, कृष्ण की कहानियाँ और पंचतंत्र को इसी समय फारसी में अनुवाद किया गया।

अकबर के दरबार में सबसे सम्मानित व्यक्तियों में से रहीम खान–ए–खाना थे। वह प्रसिद्ध कवि थे।

वे दोहे लिखते थे।

दोहा एक तरह की कविता है। आम तौर पर यह २ पंक्तियों का होता है। दोहे आज के समय में भी लिखे जाते हैं।

दोहा उत्तर भारत के कवियों द्वारा छठी शताब्दी से लिखा जा रहा है।

रहिमन पानी राखिये,
बिन पानी सब सून।

पानी गये न उबरे,
मोती मानुष चून।।

कुणाल झा एक कवि, कहानीकार, बॉलीवुड प्रेमी हैं।

तसनीम अमीरुद्दीन चित्रकार हैं। वह मुंबई से हैं। गुलाबी शामें, नटखट बच्चे, अँधेरी रातें और चमकते सितारे उन्हें बहुत प्रेरित करते हैं। उनको चमकते रंग और परियों की कहानियाँ बहुत पसंद हैं।

क कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" **– नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" **– पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" **– टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

– चार्ल्स लैंड्री, ***द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग***

कुणाल झा द्वारा ब्रज भाषा से अंग्रेजी प्रतिपादन–

पहला हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2021
लेखन कृति स्वामित्व © कथा
चित्राँकन कृति स्वामित्व © कथा
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्यः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है।

यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

FOR OUR BOOKS

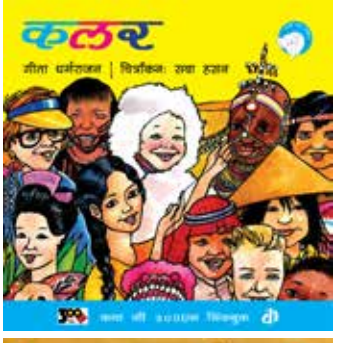

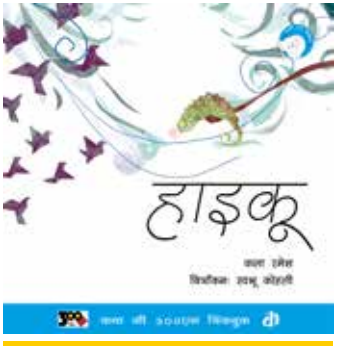

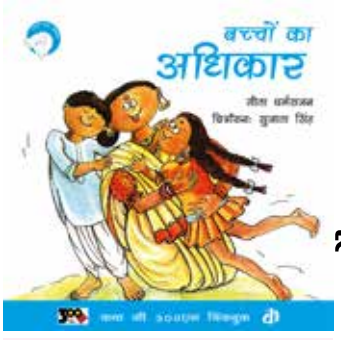

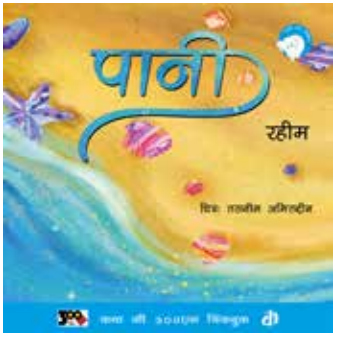

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

for children
a katha book
ISBN 978-93-88284-81-3
9 789388 284813
www.katha.org
₹ xxx

इसकी श्रृंखला में